मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

01 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

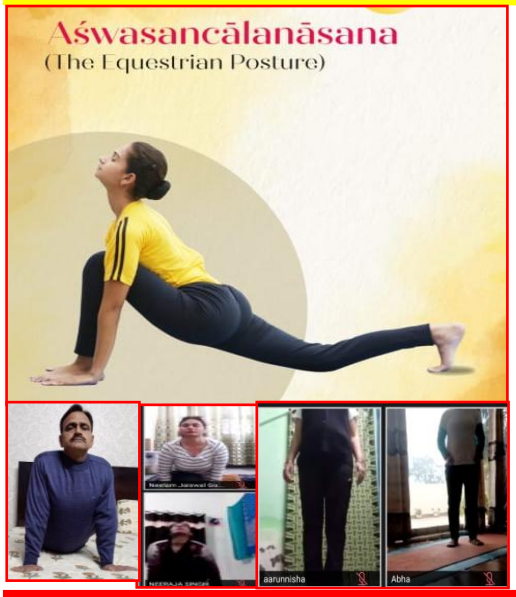

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

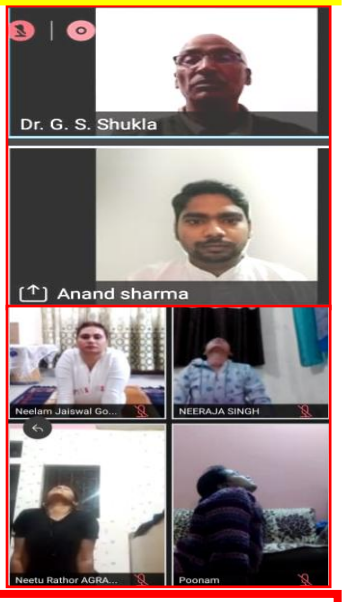

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 01 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

02 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **''75 करोड़ सूर्य नमस्कार''** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 02 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

02 फरवरी, 2022

To Dissscuss the Posssibilities in Uttar Pradesh in View of Union Budget Announcements

विषय पर वर्चुअल बैठक

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

दिनांक 02 फरवरी, 2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ की अध्यक्षता में To Dissscuss the Posssibilities in Uttar Pradesh in View of Union Budget Announcements विषय पर वर्चुअल बैठक (जूम मीटिंग) सायं 5:00 बजे आयोजित की गयी। उक्त वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह ने प्रतिभाग किया।

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

03 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

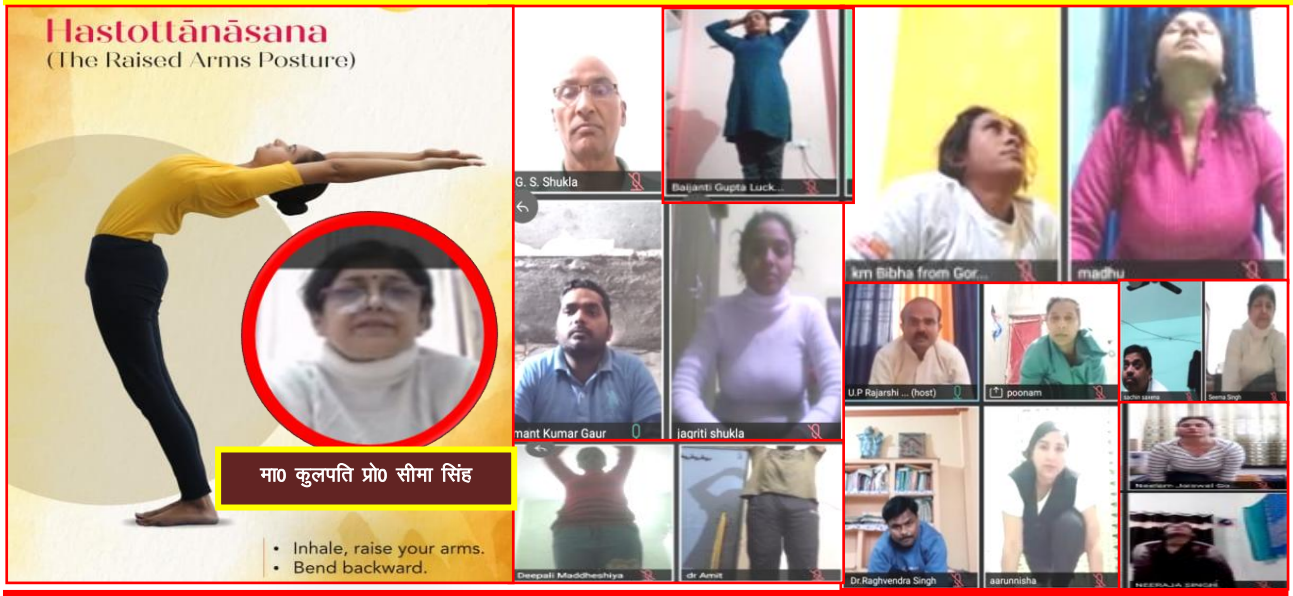

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 03 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

04 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

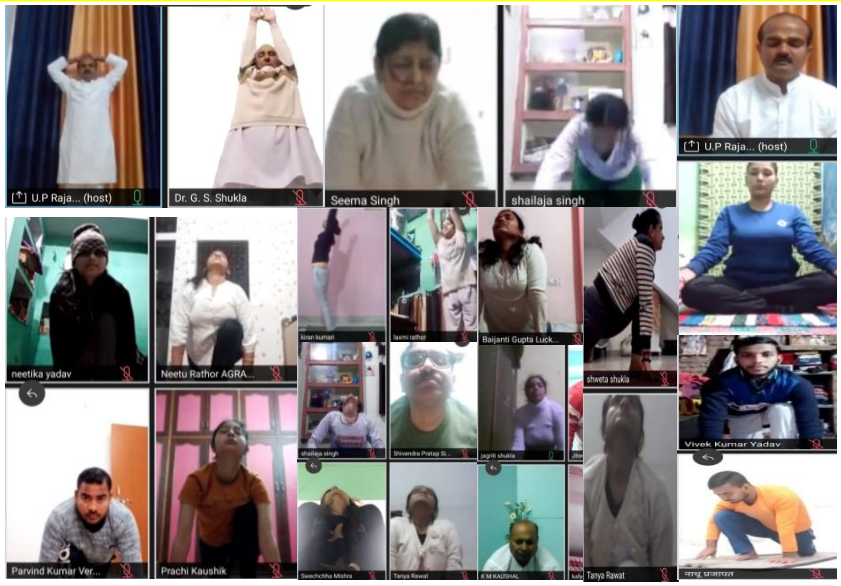

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 04 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

04 फरवरी, 2022

(GURU-DAKSHTA) 3rd Online Faculty Induction Programme

दिनांक 04 फरवरी, 2022 को UGC- Human Resource Development Centre, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा (GURU-DAKSHTA) 3rd Online Faculty Induction Programme के समापन सत्र का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने मुख्य अतिथि के रुप में प्रतिभाग किया।

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

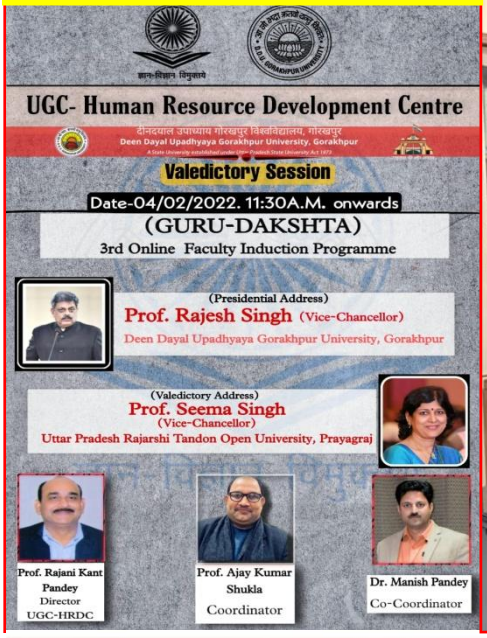

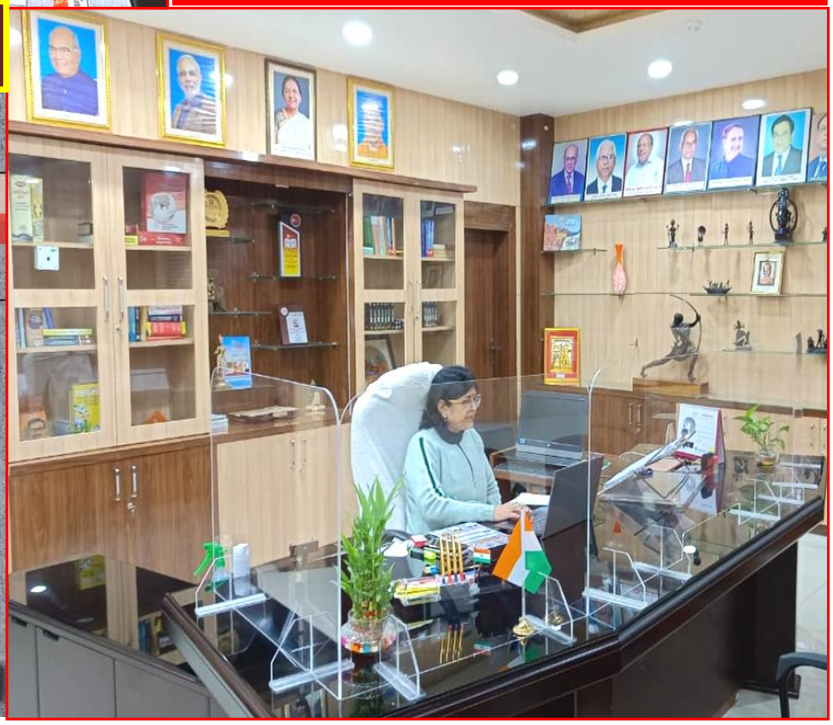

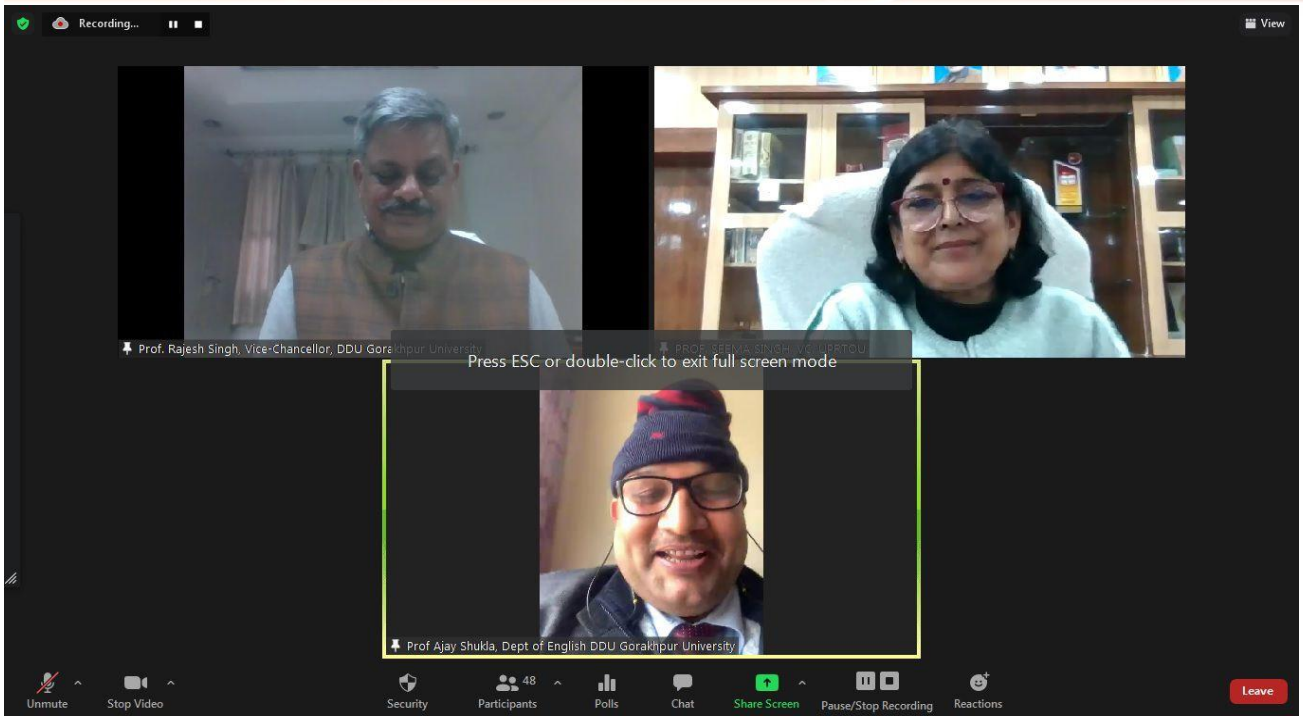
Recording...
View
Prof. Rajesh Singh, Vice-Chancellor, DDU Gora
Press ESC or double-click to exit full screen mode
Prof Ajay Shukla, Dept of English DDU Gorakhpur University
Unmute
Stop Video
Security
Participants
48
Polls
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
Leave

3rd Online Faculty Induction Programme
Valedictory Session
Dr. Akeel Ahamd

Recording...
PROF. SEEMA SINGH, VC, UP...
Prof. Rajesh Singh, Vice-Ch...
UGC -HRDC
Prof Ajay Shukla, Dept of E...
Dr. Akeel Ahamd
virendra kumar gupta
Tanu Srivastava
MINAKSHI MADHUR
anjali tyagi
Aditya kumar
Dr. Sadaf Athar
Dr.Sudhansu Verma
Devmani
vivek sharan
Shashwat chandel
Gopal Singh
SWETA SINGH
Dr. Yashwant Yadaw
Dr. Etendra Dhar Dubey
Devendra Prasad
Mrityunjay Tiwari
Subodh Prakash Gautam
Harikesh Kumar
Dr. Arjun Sonkar
Satyanarayan Tiwari

दक्षता एवं कौशल विकास से श्रेष्ठ बनता है शिक्षक - प्रो.सीमा सिंह

अच्छी रैंकिंग के विश्वविद्यालयों को बढ़ानी होगी गुणवत्ता : प्रो. राजेश सिंह

(विश्वविद्यालय संवाददाता)

गोरखपुर । एक शिक्षक के रूप में हमें अपनी क्षमता, व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं दक्षताओं को पहचानना होगा तभी भारत के स्वर्णिम भविष्य में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं और तभी भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार होगा। शिक्षक जन्म से श्रेष्ठ नहीं होता बल्कि अभ्यास एवं कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण किया जा सकता है। शिक्षकों में कौशल एवं गुणवत्ता वृद्धि हेतु तीन मूल मंत्र का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। पहला अपनी संस्था को जानना दूसरा अपने छात्रों को जानना तथा तीसरा एक अध्यापक के रूप में स्वयं को पहचानना। उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के यूजीसी एचआरडीसी सेंटर द्वारा संचालित 30 दिवसीय गुरु दक्षता (फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम) कार्यक्रम के ऑनलाइन समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह में दिया। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेश सिंह ने सीबीसीएस सिस्टम की महत्ता प्रतिपादित करते हुए शिक्षा को बाजार से जोड़ने की बात कही और विश्वविद्यालय के रैंकिंग के संदर्भ में चर्चा की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार

हम अपने विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधार सकते हैं और भारत से बाहर विदेश जाने वाले छात्रों को रोककर देश की पूंजी के नुकसान को रोका जा सकता है। हमें अपने विश्वविद्यालय को सशक्त करना होगा। अपनी बात बढ़ाते हुए उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों के उज्जवल भविष्य की बधाई दी और कहा कि हमेशा बड़ा लक्ष्य रखना चाहिए। गुरु दक्षता कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए यूजीसी द्वारा निर्धारित मॉड्यूल पर हुए व्याख्यानों की महत्ता बताई और प्रतिभागियों के अनुशासन की चर्चा की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम ऑनलाइन होने के बावजूद भी इसकी गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आई, जिससे यह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह सफल रहा। उन्होंने 30 दिवसीय कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की कुछ झलकियां एवं मीडिया कवरेज को पीपीटी के माध्यम से भी प्रस्तुत किया।

समापन सत्र में अतिथियों का स्वागत करते हुए एचआरडी सेंटर के निदेशक प्रो. रजनीकांत पाण्डेय ने कहा कि फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम से शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि होती है और नए शैक्षिक तकनीकी के बारे में जानकारी मिलती है। सामयिक परिवर्तनों के सापेक्ष नया प्रशिक्षण जरूरी होता है। शिक्षक को सदैव अपने दायित्वों के प्रति समर्पित रहना चाहिए और उसका व्यवहार आदर्श होना चाहिए।

कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. मनीष पांडेय ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही यह 30 दिवसीय कार्यक्रम सफल हो सका। उन्होंने मीडिया के प्रति भी आभार प्रकट किया, जिनके सहयोग से देश के विभिन्न विद्वानों के विचार समाज में भी प्रसारित हो सका। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तनु श्रीवास्तव ने किया। डॉ अकील अहमद व डॉ. श्वेता सिंह ने सभी प्रतिभागियों की तरफ से कार्यक्रम के संबंध में फीडबैक प्रस्तुत किया। इस दौरान देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के सभी शिक्षक प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

दक्षता एवं कौशल विकास से श्रेष्ठ बनता है शिक्षक : प्रो. सीमा

गुरुदक्षता कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते कुलपति

गोरखपुर। एक शिक्षक के रूप में हमें अपनी क्षमता, व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं दक्षताओं को पहचानना होगा तभी भारत के स्वर्णिम भविष्य में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं और तभी भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार होगा। शिक्षक जन्म से श्रेष्ठ नहीं होता बल्कि अभ्यास एवं कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण किया जा सकता है। शिक्षकों में कौशल एवं गुणवत्ता वृद्धि हेतु तीन मूल मंत्र का हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के यूजीसी एचआरडीसी सेंटर द्वारा संचालित 30 दिवसीय गुरु दक्षता (फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम) कार्यक्रम के ऑनलाइन समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दिया।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेश सिंह ने सीबीसीएस सिस्टम की महत्ता प्रतिपादित करते हुए शिक्षा को बाजार से जोड़ने की बात कही और विश्वविद्यालय के रैंकिंग के संदर्भ में चर्चा की।

प्रशिक्षण

- **30 दिवसीय गुरु दक्षता कार्यक्रम का हुआ समापन**

गुरु दक्षता कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए यूजीसी द्वारा निर्धारित मॉड्यूल पर हुए व्याख्यानों की महत्ता बताई और प्रतिभागियों के अनुशासन की चर्चा की। अतिथियों का स्वागत करते हुए एचआरडी सेंटर के निदेशक प्रो. रजनीकांत पाण्डेय ने कहा कि फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम से शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि होती है।

कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. मनीष पांडेय ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही यह 30 दिवसीय कार्यक्रम सफल हो सका। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तनु श्रीवास्तव ने किया। डॉ अकील अहमद व डॉ. श्वेता सिंह ने सभी प्रतिभागियों की तरफ से कार्यक्रम के संबंध में फीडबैक प्रस्तुत किया।

दक्षता व कौशल विकास से श्रेष्ठ बनता है शिक्षक : प्रो. सीमा सिंह

प्रखर विकास, गोरखपुर। एक शिक्षक के रूप में हमें अपनी क्षमता, व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं दक्षताओं को पहचानना होगा तभी भारत के स्वर्णिम भविष्य में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं और तभी भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार होगा। उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के यूजीसी एचआरडीसी सेंटर द्वारा संचालित 30 दिवसीय गुरु दक्षता (फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम) कार्यक्रम के ऑनलाइन समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दिया।

30 दिवसीय गुरु दक्षता कार्यक्रम का हुआ समापन

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेश सिंह ने सीबीसीएस सिस्टम की महत्ता प्रतिपादित करते हुए शिक्षा को बाजार से जोड़ने की बात कही और विश्वविद्यालय के रैंकिंग के संदर्भ में चर्चा की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार हम अपने विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधार सकते हैं और भारत से बाहर विदेश जाने वाले छात्रों को रोककर देश की पूंजी के नुकसान को रोका जा सकता है।

गुरु दक्षता कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए यूजीसी द्वारा निर्धारित मॉड्यूल पर हुए व्याख्यानों की महत्ता बताई और प्रतिभागियों के अनुशासन की चर्चा की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम ऑनलाइन होने के बावजूद भी इसकी गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आई, जिससे यह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह सफल रहा।

समापन सत्र में अतिथियों का स्वागत करते हुए एचआरडी सेंटर के निदेशक प्रो. रजनीकांत पाण्डेय ने कहा कि फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम से शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि होती है और नए शैक्षिक तकनीकी के बारे में जानकारी मिलती है। सामयिक परिवर्तनों के सापेक्ष नया प्रशिक्षण जरूरी होता है। शिक्षक को सदैव अपने दायित्वों के प्रति समर्पित रहना चाहिए और उसका व्यवहार आदर्श होना चाहिए। कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. मनीष पांडेय ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही यह 30 दिवसीय कार्यक्रम सफल हो सका। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तनु श्रीवास्तव ने किया। डॉ अकील अहमद व डॉ. श्वेता सिंह ने सभी प्रतिभागियों की तरफ से कार्यक्रम के संबंध में फीडबैक प्रस्तुत किया। इस दौरान देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के सभी शिक्षक प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

दक्षता एवं कौशल विकास से श्रेष्ठ बनता है शिक्षक

गोरखपुर | निज संवाददाता

समापन

- डीडीयू में आयोजित 30 दिवसीय गुरु दक्षता कार्यक्रम का हुआ समापन
- अच्छी रैंकिंग के विश्वविद्यालयों को बढ़ानी होगी गुणवत्ता : प्रो. राजेश सिंह

एक शिक्षक के रूप में हमें अपनी क्षमता, व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं दक्षताओं को पहचानना होगा, तभी देश के स्वर्णिम भविष्य में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं और भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना साकार होगा। शिक्षक जन्म से श्रेष्ठ नहीं होता। अभ्यास एवं कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण किया जा सकता है।

यह बातें उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहीं। वे शुक्रवार को डीडीयू के यूजीसी एचआरडी सेंटर द्वारा आयोजित 30 दिवसीय गुरु दक्षता कार्यक्रम के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों में कौशल एवं गुणवत्ता वृद्धि के लिए तीन मूल मंत्र का ध्यान रखना चाहिए। पहला अपनी संस्था को जानना, दूसरा अपने छात्रों को जानना तथा तीसरा एक अध्यापक के रूप में स्वयं को पहचानना।

अध्यक्षता करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने सीबीसीएस सिस्टम की महत्ता प्रतिपादित करते हुए शिक्षा को बाजार से जोड़ने व विश्वविद्यालय के रैंकिंग की बाबत चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार हम अपने विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधार सकते हैं और भारत से बाहर विदेश जाने वाले छात्रों को रोककर देश की पूंजी के नुकसान को रोका जा सकता है। उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

समन्वयक प्रो. अजय शुक्ल ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए यूजीसी द्वारा निर्धारित मॉड्यूल पर हुए व्याख्यानों की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह सफल रहा। अतिथियों का स्वागत करते हुए एचआरडीसी के निदेशक प्रो. रजनीकांत पांडेय ने ऐसे आयोजनों से ज्ञान में वृद्धि के साथ ही शैक्षिक तकनीकी की जानकारी मिलती है। शिक्षक को सदैव अपने दायित्वों के प्रति समर्पित रहना चाहिए और उसका व्यवहार आदर्श होना चाहिए।

सह समन्वयक डॉ. मनीष पांडेय ने आभार ज्ञापित किया। संचालन डॉ. तनु श्रीवास्तव ने किया। डॉ. अकील अहमद व डॉ. श्वेता सिंह ने प्रतिभागियो की तरफ से कार्यक्रम के संबंध मे फीडबैक प्रस्तुत किया।

www.inextlive.com/gorakhpur
against West Indies #INDvWI@BCCI
iNEXT CITY FOCUS

दक्षता एवं कौशल विकास से श्रेष्ठ बनता है शिक्षकः प्रो. सीमा सिंह

30 दिवसीय गुरु दक्षता कार्यक्रम का हुआ समापन

ऑनलाइन समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त यूनिवर्सिटी प्रयागराज की वीसी प्रो. सीमा सिंह ने दिए वक्तव्य

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (4 Feb): एक शिक्षक के रूप में हमें अपनी क्षमता, व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं दक्षताओं को पहचानना होगा तभी भारत के स्वर्णिम भविष्य में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं तभी भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार होगा. यह बातें गोरखपुर यूनिवर्सिटी गोरखपुर के यूजीसी एचआरडीसी सेंटर की ओर से संचालित 30 दिवसीय गुरु दक्षता (फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम) कार्यक्रम के ऑनलाइन समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त यूनिवर्सिटी, प्रयागराज की वीसी प्रोफेसर सीमा सिंह ने कही. उन्होंने कहा कि शिक्षक जन्म से श्रेष्ठ नहीं होता बल्कि अभ्यास व कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण किया जा सकता है.

शिक्षा को बाजार से जोड़ें

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में गोरखपुर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रोफेसर राजेश सिंह ने सीबीसीएस सिस्टम की महत्ता प्रतिपादित करते हुए शिक्षा को बाजार से जोड़ने की बात कही और यूनिवर्सिटी के रैंकिंग के संदर्भ में चर्चा की. साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार हम अपने यूनिवर्सिटी की रैंकिंग सुधार सकते है और भारत से बाहर विदेश जाने वाले छात्रों को रोककर देश की पूंजी के नुकसान को रोका जा सकता है. हमें अपने यूनिवर्सिटी को सशक्त करना होगा. अपनी बात बढ़ाते हुए उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों के उज्जवल भविष्य की बधाई दी और कहा कि हमेशा बड़ा लक्ष्य रखना चाहिए. गुरु दक्षता कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम की रिपोर्ट पेश की. समापन सत्र में अतिथियों का स्वागत एचआरडी सेंटर के निदेशक प्रो. रजनीकांत पांडेय ने किया. कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. मनीष पांडेय ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. तनु श्रीवास्तव ने किया. डॉ अकील अहमद व डॉ. श्वेता सिंह ने प्रतिभागियों की तरफ से कार्यक्रम के संबंध में फीडबैक दिया. इस दौरान देश के विभिन्न यूनिवर्सिटी एवं महाविद्यालयों के सभी शिक्षक प्रतिभागियों की उपस्थिति रही.

दक्षता एवं कौशल विकास से श्रेष्ठ बनता है शिक्षक

गोरखपुर | निज संवाददाता

समापन

- डीडीयू में आयोजित 30 दिवसीय गुरु दक्षता कार्यक्रम का समापन
- अच्छी रैंकिंग के विश्वविद्यालयों को बढ़ानी होगी गुणवत्ता

एक शिक्षक के रूप में हमें अपनी क्षमता, व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं दक्षताओं को पहचानना होगा, तभी देश के स्वर्णिम भविष्य में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं और भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना साकार होगा। शिक्षक जन्म से श्रेष्ठ नहीं होता। अभ्यास एवं कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण किया जा सकता है।

यह बातें उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहीं। वे शुक्रवार को डीडीयू के यूजीसी एचआरडी सेंटर द्वारा आयोजित 30 दिवसीय गुरु दक्षता कार्यक्रम के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

अध्यक्षता करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने सीबीसीएस सिस्टम की महत्ता प्रतिपादित करते हुए शिक्षा को बाजार से जोड़ने व विश्वविद्यालय के रैंकिंग की बाबत चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार हम अपने विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधार सकते हैं और भारत से बाहर विदेश जाने वाले छात्रों को रोककर देश की पूंजी के नुकसान को रोका जा सकता है।

समन्वयक प्रो. अजय शुक्ल ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए यूजीसी द्वारा निर्धारित मॉड्यूल पर हुए व्याख्यानों की महत्ता बताई। यह आयोजन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह सफल रहा। अतिथियों का स्वागत करते हुए एचआरडीसी के निदेशक प्रो. रजनीकांत पांडेय ने ऐसे आयोजनों से ज्ञान में वृद्धि के साथ ही शैक्षिक तकनीकी की जानकारी मिलती है। शिक्षक को सदैव अपने दायित्वों के प्रति समर्पित रहना चाहिए और उसका व्यवहार आदर्श होना चाहिए।

सह समन्वयक डॉ. मनीष पांडेय ने आभार ज्ञापित किया। संचालन डॉ. तनु श्रीवास्तव ने किया। डॉ. अकील अहमद व डॉ. श्वेता सिंह ने प्रतिभागियो की तरफ से कार्यक्रम के संबंध मे फीडबैक प्रस्तुत किया।

शिक्षक के रूप में हमें अपनी क्षमता को पहचानना होगा : प्रो. सीमा

अमर उजाला ब्यूरो

गोविवि में 30 दिवसीय गुरु दक्षता कार्यक्रम का समापन

गोरखपुर। एक शिक्षक के रूप में हमें अपनी क्षमता, व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं दक्षताओं को पहचानना होगा, तभी भारत के स्वर्णिम भविष्य में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना भी तभी साकार हो सकेगा। शिक्षक जन्म से श्रेष्ठ नहीं होता। बल्कि, अभ्यास एवं कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण कर सकता है।

ये बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 30 दिवसीय गुरु दक्षता समापन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहीं। कहा कि शिक्षकों में कौशल एवं गुणवत्ता के लिए तीन मूल मंत्र का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। पहला अपनी संस्था को जानना, दूसरा अपने छात्रों को जानना और तीसरा एक अध्यापक के रूप में स्वयं को पहचानना। गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेश सिंह ने सीबीसीएस सिस्टम के बारे में जानकारी दी। शिक्षा को बाजार से जोड़ने की बात कही और विश्वविद्यालय की रैंकिंग के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि कार्यक्रम ऑनलाइन होने के बाद भी इसकी गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आई। प्रो रजनीकांत पांडेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि होती है और नए शैक्षिक तकनीक के बारे में जानकारी मिलती है। अंत में डॉ मनीष पांडेय ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ तनु श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर डॉ अकील अहमद, डॉ. श्वेता सिंह ऑनलाइन जुड़ी रहीं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

05 फरवरी, 2022

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

05 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 05 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

05 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर बसन्त पंचमी का आयोजन

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती माँ की आराधना एवं भोज करती हुई लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ. निराजंली सिन्हा, असि. प्रोफेसर(सं0) डॉ0 अलका वर्मा एवं कर्मचारीगण।

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती माँ की आराधना करते हुए लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ. निराजंली सिन्हा, असि. प्रोफेसर(सं0) डॉ0 अलका वर्मा एवं कर्मचारीगण।

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा

बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती माँ की आराधना एवं हवन कराते हुए क्षेत्रीय समन्वयक नोएडा, डॉ. कविता त्यागी

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

06 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 06 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

07 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

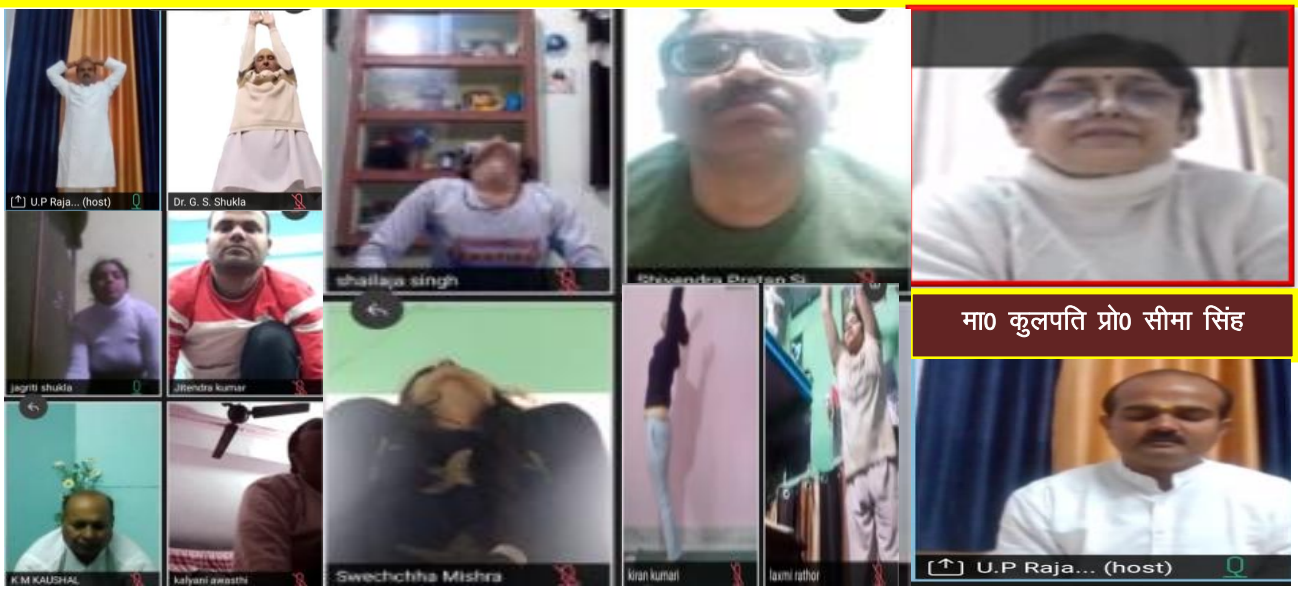

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 07 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

510 prisoners enroll in UPRTOU courses

Rajeev.Mani@timesgroup.com

Prayagraj: In the backdrop of the fact that motivation of continuing higher education persists even among the youths who are serving their sentence in a prison for committing crime, authorities of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) had started enrolling prisoners for several courses run by the lone open university of the state.

According to university administration, in the current academic session, 510 convicted prisoners from different jails of the state have taken admission in the open university in different courses. The university had started the facility of free education for the convicted prisoners from 2019 and 41 prisoners had taken admission at that time. Now, the number of prisoners, getting enrolled in courses of their choice, has increased almost 12 times in just one year. These 510 prisoners have taken admission in bachelors, masters, certificate and diploma course being run by the university.

UPRTOU had decided to provide free education to prisoners serving sentences for serious crimes in Naini Central Jail in the year 2019. After this, the jail administration of different districts of the state have also approached the university to provide the facility for the convicts of their respective jails.

Vice- chancellor Prof Seema Singh said, preparations are being made to conduct the examination of this session in offline mode after second week of next month and this time 510 convicted prisoners would also give their exams for various courses they are enrolled in. The examination of these prisoners will be conducted in the jail itself.

The VC further informed that maximum numbers of prisoners (100), who have taken admission, are from Naini Central Jail, while the minimum (4) are from Ayodhya Jail. Similarly, convicted prisoners of Azamgarh, Fatehpur, Agra, Noida, Bareilly, Kanpur, Meerut and Banaras have taken admission in different courses. She added that 41 prisoners had taken admission during last year and 21 prisoners were awarded diploma/ degree in this year's convocation.

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

07 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में शोक सभा

शोक सभा में सम्मिलित मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

देश की सुविख्यात गायिका स्वर–कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर जी का दिनांक 06 फरवरी, 2022 को देहावसान हो गया। उनके आकस्मिक निधन से हमारा विश्वविद्यालय परिवार अति मर्माहत है। दुःख की इस घड़ी में परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि उनकी दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें तथा उनके शुभेच्छुओं एवं परिजनों को इस दुःख को सहन करने का शक्ति प्रदान करें।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

08 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 08फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

08 फरवरी, 2022

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर भारत के उत्तर, पूर्व एवं उत्तर पूर्व राज्यों के परामर्श

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

दिनांक 08 फरवरी, 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर भारत के उत्तर, पूर्व एवं उत्तर पूर्व राज्यों के परामर्श से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा पर To deliberate upon the modalities of the second cycle of STRIDE Scheme of UGC under NEP 2020, nation-wide consultations on the same are being organized under three different groups of States and UTs. विषय पर आनलाइन बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने आनलाइन प्रतिभाग किया।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

09 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 09 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

10 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 10 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

● वर्ष : 15
● अंक : 06
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● गुरुवार, 10 फरवरी 2022
● पृष्ठ : 12
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

संक्षिप्त समाचार

मुक्त विश्वविद्यालय के जागरूकता शिविर का उद्घाटन आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन गुरुवार 10 फरवरी को अपराहन तीन बजे कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह करेंगी। यह जानकारी दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दी उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में लगने वाले शिविर के माध्यम से गत 20 वर्षों से लोगों को दूरस्थ शिक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

purvanchalswar.com 8400976542, 9415860883 मूल्य: रू. 2 संपादक- राहुल

दैनिक

पूर्वांचल स्वर

purvanchalswardainik@gmail.com गुरुवार, 10 फरवरी, 2022 वर्ष: 10 अंक: 41 पृष्ठ: 08 बलिया से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुक्त विश्वविद्यालय के जागरूकता शिविर का उद्घाटन आज

मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन गुरुवार 10 फरवरी को अपराहन 3 :00 बजे कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। यह जानकारी देते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने बताया कि मेला क्षेत्र में लगने वाले शिविर के माध्यम से गत 20 वर्षों से लोगों को दूरस्थ शिक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष –07–अंक– 24, प्रयागराज गुरुवार 10 फरवरी 2022, पृष्ठ –8 मूल्य रू0 1.00 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण email: dainikkarmath@gmail.com

मुक्त विश्वविद्यालय में जागरूकता शिविर का उद्‌घाटन आज

कर्मठ समाचार/प्रयागराज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्‌घाटन गुरुवार 10 फरवरी को अपराहन 3रू00 बजे कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। यह जानकारी देते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने बताया कि मेला क्षेत्र में लगने वाले शिविर के माध्यम से गत 20 वर्षों से लोगों को दूरस्थ शिक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

दैनिक सच्चाई की जंग

लोकमित्र

वर्ष : 28 | अंक : 100
प्रतापगढ़ | गुरुवार, 10 फरवरी 2022
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

प्रतापगढ़, लखनऊ, कौशाम्बी, एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित

www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय के जागरूकता शिविर का उद्घाटन आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन गुरुवार 10 फरवरी को अपराहन 3ः00 बजे कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। यह जानकारी देते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने बताया कि मेला क्षेत्र में लगने वाले शिविर के माध्यम से गत 20 वर्षों से लोगों को दूरस्थ शिक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त विष्वविद्यालय है यहां, आप हैं कहां

10 फरवरी, 2022

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन

दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के उद्घाटन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुक्त विष्वविद्यालय है यहां, आप हैं कहां

दिनांक 10 फरवरी, 2022 को प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विष्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के उद्घाटन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन तथा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत करते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया

माँ सरस्वती जी की चित्र पर माल्यार्पण करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबे जी

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई निक्की सिंह

विशिष्ट अतिथि श्री उपेंद्र कुमार सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा

कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबे जी तथा वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा एवं डॉ0 अनिल सिंह भदौरिया

विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ0 प्रभात चन्द्र तथा मंचासीन माननीय अतिथि

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर एस कुमार,

श्री उपेंद्र कुमार सिंह
विशिष्ट अतिथि

मुक्त विष्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए : उपेंद्र कुमार

विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए।

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

सबके लिए खुले हैं मुक्त विष्वविद्यालय के द्वार : प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त विष्वविद्यालय है यहां, आप हैं कहां

उक्त उद्गार दिनांक 10 फरवरी, 2022 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है तथा सबके लिए खुले हैं मुक्त विश्वविद्यालय के द्वार। ऐसे लोग जो शिक्षा नहीं प्राप्त कर पा रहे है। शिक्षा प्राप्त करने में किसी प्रकार का कोई बंधन नहीं है। पूरे प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षा की अलख जगाई है।

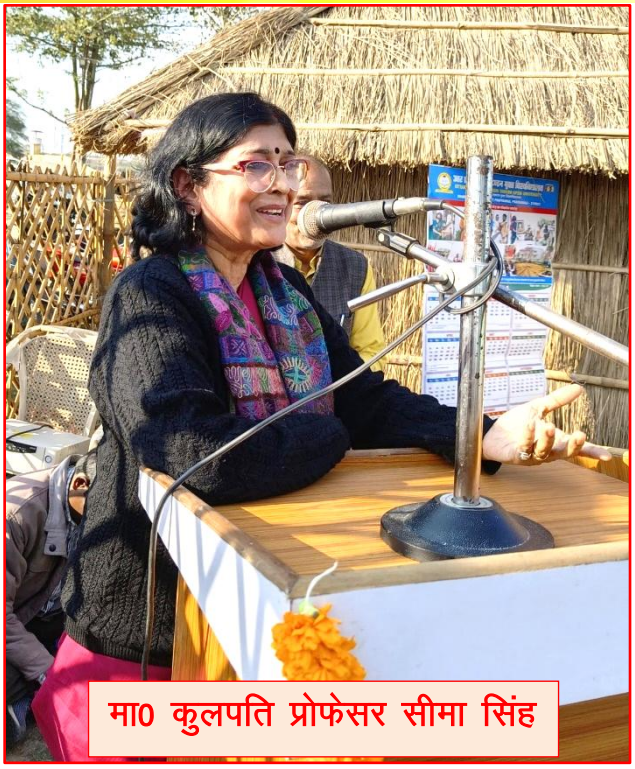

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उन्होंने कहा कि विष्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है।

प्रो0 सिंह ने कहा कि घरेलू महिलाओं से लेकर नौकरी पेषा लोगों को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करने में मुक्त विश्वविद्यालय प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।

शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव प्रोफेसर पी. पी. दुबे

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 15
अंक : 134

प्रयागराज शुक्रवार 11 फरवरी 2022

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां

प्रयागराज। आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता

है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज।आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा

सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

युवा | आज का दिन: 1814 में यूरोपीय देश नॉर्वे ने स्वतंत्रता की घोषणा की। | हिन्दुस्तान 04

कैदियों में बढ़ा उच्च शिक्षा का रुझान

प्रयागराज | अनिकेत यादव

जाने-अंजाने में अपराध की सीढ़ियां चढ़कर कारागार पहुंचे युवाओं में पढ़ाई का क्रेज और लगाव कम नहीं हुआ है। अब उच्च शिक्षा की अलख जलाने का अवसर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) ने उपलब्ध कराया है। ताकि जेल में बंदी भी पढ़ाई कर अपने अतीत को भुलाकर आगे का जीवन संवार सकें।

मौजूदा शैक्षिक सत्र में सूबे की अलग-अलग जेलों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में 510 सजायाफ्ता कैदी मुक्त विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। बीते सत्र से विश्वविद्यालय ने सजायाफ्ता कैदियों के लिए निःशुल्क पढ़ाई की सुविधा शुरू की। इस दौरान 41 ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया था। एक साल में कैदियों की संख्या तकरीबन 12 गुना बढ़ गई है। अब स्नातक, परास्नातक, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 510 कैदी पंजीकृत हैं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने वर्ष 2019 में नैनी सेंट्रल जेल में गंभीर अपराध के आरोप में सजा काट रहे कैदियों को निःशुल्क शिक्षा देने का फैसला लिया। इसके बाद अब प्रदेश के विभिन्न जिलों का जेल महकमा भी सक्रिय हो गया। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बताया कि इस सत्र की परीक्षा 12 मार्च से ऑफलाइन मोड में कराने की तैयारी है। इस बार विभिन्न पाठ्यक्रमों में सूबे से 510 सजायाफ्ता कैदियों ने प्रवेश लिया है। इन कैदियों की परीक्षा जेल में ही कराई जाएगी।

दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापकः कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से गुरुवार को माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन हुआ। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ. प्रभात चंद मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो.पीपी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, प्रो. एस कुमार, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. छत्रसाल सिंह, डॉ. संजय सिंह, निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुविवि

- विश्वविद्यालय में एक साल में बढ़ गए हैं 12 गुना 'कैदी छात्र'
- प्रयागराज, आगरा, आजमगढ़, फतेहपुर की जेल में हैं 510 कैदी

प्रयागराज के सर्वाधिक 100 कैदी पंजीकृत

कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बताया कि प्रयागराज में सर्वाधिक 100 और सबसे कम अयोध्या जेल के चार कैदियों ने प्रवेश लिया है। इसी प्रकार आजमगढ़, फतेहपुर, आगरा, नोएडा, बरेली, कानपुर, मेरठ, वाराणसी के सजायाफ्ता कैदियों ने प्रवेश लिया है। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष में 41 कैदियों ने प्रवेश लिया था। 21 कैदियों को इसी दीक्षांत समारोह में डिप्लोमा की डिग्री दी गई है।

सत्येन्द्र वाणी

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का हुआ उद्घाटन

सत्येन्द्र वाणी

प्रयागराज। आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उदगार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उदघाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का हुआ उद्घाटन

कर्मठ समाचार/प्रयागराज।आप हैं कहांए मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उदगार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उदघाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार.प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ताए प्रोफेसर एस कुमारए प्रोफेसर आशुतोष गुप्ताए प्रोफेसर छत्रसाल सिंहए डॉ संजय सिंहए सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

JEEVAN EXPRESS

PRAYAGRAJ FRIDAY, 11 FEBRUARY 2022 | WEBSITE : www.jeevanexpress.in | Vol. 14 Issue 217 Daily pages - 8 Rs. 1.00 Morning Edition Prayagraj

Distance education awareness camp inaugurated in Magh Mela

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: The distance education awareness camp was inaugurated on Thursday in the camp of Uttar Pradesh Rajesh Tandon Open University, Prayagraj, established on the Lal Sadak in the Mela area. The camp was inaugurated by the Vice Chancellor of the University, Professor Seema Singh.

Speaking on the occasion, Prof Singh said that the field of distance education is very wide. The university is running many awareness programs so that the benefits of the university's educational programs reach as many people as possible. On this occasion the special guest Upendra Kumar Singh, former officer of Indian Railway Service said that the Open University should emphasize on technical education. He said that people should be told about the flexible education system inherent in distance education to connect with the Open University.

Earlier, in-charge of distance education awareness camp Dr. Anil Kumar Singh Bhadauria welcomed the guests. The subject was introduced by Dr. Prabhat Chandra Mishra and the vote of thanks was proposed by Registrar Professor PP Dubey. Prof. Vinod Kumar Gupta, Prof. S Kumar, Prof. Ashutosh Gupta, Prof. Chhatrasal Singh, Dr. Sanjay Singh, Ms. Nikki Singh etc. were present on this occasion. Vice-Chancellor Prof. Seema Singh presented the university's admission brochure and calendar to the people who came to the camp on the occasion.

दैनिक लोकमित्र
सच्चाई की जंग

आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां-उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है।

जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

तिजारत
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

- वर्ष : 15
- अंक : 07
- प्रातः कालीन संस्करण
- लखनऊ
- शुक्रवार, 11 फरवरी 2022
- पृष्ठ : 12
- मूल्य : 3 रुपया

www.tijaratnews.com

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का हुआ उद्घाटन

तिजारत संवाददाता

माघ मेला प्रयागराज। आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के

संकल्प को साकार कर रहा है।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

समय से पहले 'समय' पर नजर

न्यायाधीश

प्रयागराज, शुक्रवार, 11 फरवरी 2022

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन

प्रयागराज।आप है कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए।

प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

---

www.facebook.com/rashtriyasahara | https://twitter.com/SaharaRashtriya | www.rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

लखनऊ | शुक्रवार • 11 फरवरी • 2022 | पृष्ठ 14, मूल्य ₹ 4.00

दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र अत्यंत व्यापक : कुलपति

प्रयागराज (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। मुक्त विवि उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने आज माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। बताया कि विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।विशिष्ट अतिथि व भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डा. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने अतिथियों का स्वागत किया। विषय प्रवर्तन डा. प्रभात चंद्र मिश्र किया। कार्यक्रम में प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, प्रो. एस कुमार, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. छत्रसाल सिंह, डा. संजय सिंह, निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. पीपी दुबे ने दिया।

मुक्त विवि की कुलपति सीमा सिंह ने माघ मेला में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का किया उद्घाटन

पाइनियर

माघमेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन गुरुवार को किया।कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार.प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शुक्रवार 11 फरवरी 2022

आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां। उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए।

डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 12 अंक : 313, प्रयागराज, शुक्रवार 11 फरवरी 2022, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

आप हैं कहाँ, मुक्त विश्वविद्यालय है यहाँ...

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का हुआ उद्घाटन

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज – 10 /02 /2022 आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुम्भ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए।

प्रारम्भ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 15
अंक : 134

प्रयागराज शुक्रवार 11 फरवरी 2022

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां

प्रयागराज। आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता

है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

प्रयागराज
शुक्रवार 11 फरवरी, 2022

पावन संगम तट से पहला ऑनलाइन दैनिक समाचारपत्र

Title Verified By RNI

अनुराग दर्शन

आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां

माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

---

purvanchalswar.com 8400976542, 9415860883 मूल्यः रू. 2 संपादक- राहुल

दैनिक

पूर्वांचल स्वर

purvanchalswardainik@gmail.com शुक्रवार, 11 फरवरी, 2022 वर्ष: 10 अंक: 42 पृष्ठ: 08 बलिया से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

03 बलिया, उत्तर प्रदेश, शुक्रवार, 11 फरवरी 2022 **प्रयागराज**

आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां

हनुमान प्रसाद शुक्ल
मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। आप हैं कहां, मुक्त विश्वविद्यालय है यहां उक्त उद्गार गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क पर स्थापित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय कई जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें कुंभ दर्शन पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देनी चाहिए। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के माध्यम से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों के द्वार तक शिक्षा के संकल्प को साकार कर रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए लोगों को दूरस्थ शिक्षा में निहित लचीली शिक्षा पद्धति के बारे में बताना चाहिए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। डॉ भदौरिया ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय प्रवर्तन डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ संजय सिंह, सुश्री निक्की सिंह आदि उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर शिविर में आए लोगों को विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका एवं कैलेंडर प्रदान किया।

दैनिक जागरण

दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक : कुलपति

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। वह गुरुवार को माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन कर रहीं थीं। विशिष्ट अतिथि भारतीय रेलवे सेवा के पूर्व अधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए। इस दौरान डा. अनिल सिंह भदौरिया,, कुलसचिव प्रो. पीपी दुबे आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

11 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 11 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 फरवरी, 2022

एकात्म मानववाद व अंत्योदय के प्रणेता और प्रखर विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर भावभीनी ॥ श्रद्धांजलि ॥

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर

दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक श्री प्रवीन कुमार एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा

दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करती हुई नोएडा क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 कविता त्यागी

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 फरवरी, 2022

मुक्त विवि के छात्र आशीष आनंद को कुलपति ने दिया पदक एवं सर्टिफिकेट

कार्यक्रम में 16वें दीक्षान्त समारोह में श्री आशीष आनंद को दिये जाने वाला स्वर्ण पदक जो तद्समय उनके अनुपस्थित रहने के कारण नही दिया जा सका था, जिसे आज दिनांक 11 फरवरी, 2022 को विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर निदेशक सीका प्रो0 ओमजी गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, मा0 कुलपति जी के ओ. एस.डी. डॉ0 दिनेश सिंह, असि0 प्रोफेसर, पत्रकारिता, डॉ0 साधना श्रीवास्त एवं कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबे उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के छात्र श्री आशीष आनंद को स्वर्ण पदक एवं सर्टिफिकेट देती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

12 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 12 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

13 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार का समापन

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जन मानस में पुनः अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रमें में भाग लिया जा रहा है तथा इस आयोजन में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता के उद्देश्य से दिनांक 24 जनवरी, 2022 से प्रातः 08:00 बजे से 09:00 बजे तक 500 से अधिक शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को 21 दिन तक इस कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी दिलाया। आज दिनांक 13 फरवरी, 2022 को आजादी महोत्सव के इसी उपक्रम के सूर्य नमस्कार में पूरे प्रदेश के राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े सभी ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से जब स्वस्थ होंगे तभी हम अपने स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकेंगें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने कहा कि सूर्य नमस्कार के द्वारा हमारे शरीर के सारे सिस्टम मिलकर काम करते हैं। जिससे हमारी जीवन शैली मजबूत होती है जिससे हमारे शरीर में आने वाली बीमारियों से अपने आपको पूर्णतयाः बचाया जा सके। योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुरूकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

14 फरवरी, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक

शासन द्वारा गठित चार सदस्यीय समिति विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यो की विस्तृत समीक्षा एवं स्थलीय निरीक्षण तथा वित्तीय प्रबन्धन, अभिलेखों का रखरखाव की गहन समीक्षा,फर्नीचर व अन्य उपकरणों आदि के क्रय का सत्यापन करने के सम्बन्ध दिनांक 14 फरवरी, 2022 को विश्वविद्यालय में बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर समिति के मा0 सदस्यों ने विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रो0 सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की एवं विचार विमर्श किए।

मा0 कुलपति प्रो0 सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की एवं विचार विमर्श करते हुए समिति के मा0 सदस्यगण।

समीक्षा बैठक करते उत्तर प्रदेश शासन से विशेष सचिव उच्च शिक्षा, श्री श्रवण कुमार सिंह जी एवं प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वित्त अधिकारी श्री शशि भूषण सिंह तोमर जी

समीक्षा बैठक

उक्त बैठक में उत्तर प्रदेश शासन से विशेष सचिव उच्च शिक्षा, श्री श्रवण कुमार सिंह एवं प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वित्त अधिकारी श्री शशि भूषण सिंह तोमर तथा विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह एवं कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबे उपस्थित रहें। बैठक के उपरान्त समिति के मा0 सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के भवनों/विभागों का निरीक्षण किया गया।

समीक्षा बैठक करते उत्तर प्रदेश शासन से विशेष सचिव उच्च शिक्षा, श्री श्रवण कुमार सिंह एवं प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वित्त अधिकारी श्री शशि भूषण सिंह तोमर तथा बैठक में उपस्थित विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह एवं कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबे एवं कर्मचारीगण

विश्वविद्यालय के भवनों निरीक्षण

विश्वविद्यालय के मीडिया सेन्टर का निरीक्षण करते हुए उत्तर प्रदेश शासन से विशेष सचिव उच्च शिक्षा, श्री श्रवण कुमार सिंह एवं प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वित्त अधिकारी श्री शशि भूषण सिंह तोमर तथा विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह एवं कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबे

विश्वविद्यालय के भवनों
का
निरीक्षण करते हुए
उत्तर प्रदेश शासन से विशेष सचिव उच्च शिक्षा,
श्री श्रवण कुमार सिंह
एवं
प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज
के वित्त अधिकारी
श्री शशि भूषण सिंह तोमर
तथा विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी
श्री अजय कुमार सिंह,
परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह
एवं
कुलसचिव
प्रो0 पी.पी. दुबे

विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन

परीक्षा विभाग

का

निरीक्षण करते हुए

समिति के मा0 सदस्यगण

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण करते हुए समिति के मा0 सदस्यगण

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों

का निरीक्षण

एवं

समीक्षा बैठक

करते हुए

समिति

के

मा0 सदस्यगण

विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह का निरीक्षण करते हुए समिति के मा0 सदस्यगण

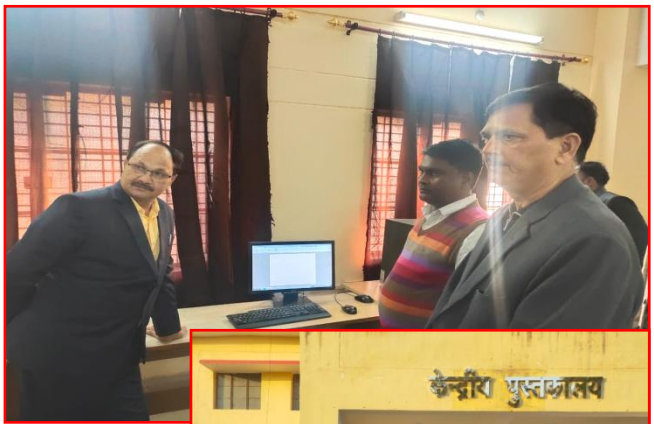

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय, ई–पुस्तकालय, आडियो –विजुवल लैब एवं सीका का निरीक्षण करते हुए समिति के मा0 सदस्यगण

विश्वविद्यालय के स्मार्ट कम्प्यूटर लैब, कम्प्यूटर लैब, त्रिवेणी सामुदायिक केन्द्र एवं वित्त विभाग का निरीक्षण

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

18 फरवरी, 2022

सीका की बैठक आयोजित

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति जी एवं बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सीका द्वारा नैक पीयर टीम के द्वारा दिये गये सुझावों के कियान्वयन करने के सम्बन्ध में दिनांक 18 फरवरी, 2022 को दोपहर 12:15 बजे सीका के सभी सदस्यों की बैठक आहूत की गयी। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

इस अवसर पर सीका निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता ने सभी का स्वागत एवं बैठक के बारे में विस्तार से बताया। सीका के उप निदेशक प्रो0आशुतोष गुप्ता ने पी.पी.टी. के माध्यम से नैक पीयर टीम के द्वारा दिये गये सुझावों के विश्वविद्यालय में कियान्वयन करने के सम्बन्ध में विस्तार से सभी को अवगत कराया साथ ही सीका के अन्य सुझावों से सभी को अवगत कराया। धन्यवाद ज्ञापित कुलसचिव प्रो0 पी. पी. दुबे द्वारा किया गया। बैठक में प्रो0 पी.के. पाण्डेय, प्रभारी निदेशक शिक्ष विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता, प्रो0 संस्कृत, डॉ0 श्रुति, प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव एवं मा0 कुलपति जी के ओ.एस. डी. डॉ0 दिनेश सिंह उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

18 फरवरी, 2022

परीक्षा समिति की 33वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 33वीं बैठक दिनांक 18 फरवरी, 2022 को अपराह्न 3:15 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में परीक्षा से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति जी एवं बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यगण।

बैठक में विश्वविद्यालय के प्रो0 ओमजी गुप्ता निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, प्रो0 पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 (डॉ0) जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 पी.के. पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा शास्त्र, शिक्षा विद्याशाखा, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, मानविकी विद्याशाखा, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, मानविकी विद्याशाखा एवं श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे।

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति जी एवं बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यगण।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

21 फरवरी, 2022

यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को कुलपति जी ने दी बधाई

दिनांक 21 फरवरी, 2022 को विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शोध छात्रा स्वाति गुप्ता तथा विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं योग विषय के छात्र रहे अनुराग शुक्ला को योग विषय में यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने बधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, प्रभारी निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 सन्तोषा कुमार, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, मा0 कुलपति जी के ओएसडी एवं असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, मानविकी विद्याशाखा, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, मानविकी विद्याशाखा एवं मा0 कुलपति जी के ओएसडी डॉ0 दिनेश सिंह, डॉ0 सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, इतिहास, डॉ0 आनंदा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान एवं डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

22 फरवरी, 2022

21 दिनों तक सूर्य नमस्कार करने का प्रमाण–पत्र वितरण कार्यक्रम

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

२१ दिनों तक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम कुशलतापूर्वक संपादित किये जाने के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी को भारत सरकार द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आम जनमानस में अपनी संस्कृति, विरासत एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाने करने के उद्देश्य से शिक्षा एवं आयुष मंत्रलय भारत सरकार, नई दिल्ली ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम **"75 करोड़ सूर्य नमस्कार"** की घोषणा की है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी के दिशा निर्देश पर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्त्वावधान में 21 दिनों तक प्रातः 8.00 बजे से 9.00 बजे तक सूर्य नमस्कार कराने का बृहद आयोजन किया गया। सूर्य नमस्कार हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। गुगरुकुल शिक्षा में गुरू छात्रों को सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन, गायत्री मंत्र का अभ्यास प्राचीन काल से कराते रहे हैं। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने 21 दिनों तक इस कार्यक्रम में भाग लेने के संकल्प को पूर्ण किया। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल के संयोजकत्व में योग प्रशिक्षक असि. प्रोफेसर (सं0) योग, श्री अमित सिंह जी ने सूर्य नमस्कार कार्यक्रम को साकार रूप प्रदान किया।

"75 करोड़ सूर्य नमस्कार" कार्यक्रम को सफलतापूर्वक 21 दिनों तक संचालित करने के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा सभी प्रतिभागियों के लिये प्रमाण–पत्र प्रेषित किया गया है। माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी द्वारा भी 21 दिनों तक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम कुशलतापूर्वक संपादित किये जाने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम के संयोजक तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने दिनांक 22 फरवरी, 2022 को सर्वप्रथम विश्वविद्यालय की प्रथम महिला माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को प्रमाण–पत्र प्रदान किया। तदनन्तर माननीया कुलपति जी ने कतिपय प्रतिभागियों को भी प्रमाण–पत्र प्रदान किया।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, फूड एण्ड न्यूट्रिशन डा0 मीरा पाल, योग प्रशिक्षक असि.प्रोसेसर (सं0) योग, श्री अमित सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सं0) गृह विज्ञान डॉ0 दीप्ति श्रीवास्तव एवं इन्दुभूषध पाण्डेय को प्रमाण–पत्र प्रदान करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

24 फरवरी, 2022

माननीया राज्यपालल, उत्तर प्रदेश से शिष्टाचार भेंट

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए मार्ग दर्शन प्राप्त करने हेतु दिनांक 24 फरवरी, 2022 को राजभवन, लखनऊ में माननीया राज्यपालल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से शिष्टाचार भेंट की।

माननीया राज्यपालल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से शिष्टाचार भेंट करती हुई कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

राज्यपाल ने प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों के कुलपति के साथ विश्वविद्यालयों में नवाचार के सम्बन्ध में कार्य प्रगति की समीक्षा की

———

शोध कार्यों को जन उपयोगी बनाया जाए

———

विश्वविद्यालय अपने संसाधनों का लाभ किसानों एवं जनता को भी दें

———

केन्द्रीय बजट में निर्धारित प्रोजेक्ट के तहत नवाचार विकसित किए जाएं

———

विश्वविद्यालय आपसी सहयोग से समस्याओं का समाधान करें।

———

विश्वविद्यालय में लगाए गए उपकरणों से प्राप्त आय का विवरण भी रखें

———

विश्वविद्यालय की खाली भूमि को शोध तथा अन्य उपयोगी कार्यों में लिया जाए

———

अनावश्यक भवनों का निर्माण न किया जाए

———

परिणामदायी नवाचार विकसित हों

—श्रीमती आनंदीबेन पटेल

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन स्थित प्रज्ञा कक्ष में प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ नवाचार के सम्बन्ध में कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालयों के शोध कार्यों को जन उपयोगी बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसे शोध जो जनहित से जुड़े हैं। उन्हें व्यापक उपयोग में लाने के लिए व्यवस्थाएं की जाएं। क्षेत्रीय जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर शोध किए जाएं और उसके विकसित मॉडल तैयार कर जन उपयोग के लिए दिया जाए।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालयों में लगाए गए महंगे संसाधनों की उपयोगिता को भी जनसामान्य से जोड़ने को कहा। उन्होंने कहा कि कृषि उपयोगी संयंत्र, टेस्टिंग, लैब, जीरो बेस्ड उपकरण जैसे संसाधनों को किसानों एवं जनता के उपयोग के लिए भी दिया जाए। इससे जहां विद्यार्थियों की जानकारियों का विस्तार होगा वहीं किसानों एवं क्षेत्रीय जनता को महंगे खर्च पर मिलने वाले संसाधनों का सहज लाभ प्राप्त हो सकेगा। राज्यपाल जी ने कुलपतियों को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय में नवाचार विकसित करने के लिए केन्द्रीय बजट में निर्धारित प्रावधानों का ध्यान भी रखें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आपसी सामंजस्य से अपनी अनेक समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने तकनीकी स्तर तथा प्रशासनिक विविधताओं के समाधान के लिए एक–दूसरे का सहयोग करने को कहा।

प्रस्तुतीकरण के दौरान विश्वविद्यालयों द्वारा ऐसे उपकरण और संसाधनों पर चर्चा भी की गयी, जो विश्वविद्यालय के लिए आर्थिक उपार्जन का कार्य भी कर रहे हैं। राज्यपाल जी ने ऐसे उपकरणों से प्राप्त आय का विवरण रखने तथा जनता के लिए उपयोगी संसाधनों को साधारण मूल्यों पर उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालनय परिसर की खाली भूमि को कृषि तथा अन्य शोधों के लिए उपयोग करने का निर्देश दिया।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालयों में अनावश्यक खर्चों में कटौती करने, डिजिटलाइलेशन को बढ़ावा देकर अनावश्यक पद समाप्त करने, अनावश्यक नए भवनों का निर्माण न करने का निर्देश देते हुए कहा कि एक ही भवन को शिफ्ट में कई कार्यों में प्रयोग किया जा सकता है। इससे बिजली तथा संसाधन पर व्यय की बचत हो सकती है।

बैठक को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कुलपतियों से कहा कि वे जो भी नवाचार विकसित करें वे समुचित परिणामदायी हों। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जनता उपयोगी कार्यों का विवरण प्रेषित करें तथा जो शिक्षक किसी लर्निंग अथवा ट्रेनिंग के लिए दूसरे विश्वविद्यालय अथवा सेमिनार, कार्यशाला आदि में जाते हैं, उनके द्वारा उस भ्रमण के उपरान्त सीखे गए कार्य का कितना क्रियान्वयन किया गया, इसका विवरण भी रखा जाए।

राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय सिर्फ फण्ड एकत्र करने पर ही अपना ध्यान केन्द्रित न करें। उनका कार्य बच्चे को समुचित शिक्षा और विशेषज्ञता प्रदान करने का है। इसके लिए बच्चों को उनकी शिक्षा के व्यवहारिक पक्ष से जोड़ने का कार्य भी करें।

ज्ञात हो कि राज्यपाल की बैठक में आज प्रदेश के समस्त 21 विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने भाग लिया, जिसमें 6 विश्वविद्यालयों द्वारा अपने नवाचार का प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता सहित विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा उनके सहयोगी अधिकारी मौजूद थे।

———

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

26 फरवरी, 2022

पुरातन छात्र कल्याण परिषद की कार्यकारिणी समिति की बैठक

दिनांक 26 फरवरी, 2022 को विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद की कार्यकारिणी समिति बैठक पूर्वाह्न 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। सर्वप्रथम पुराछात्र परिषद के बारे में पुराछात्र परिषद के सचिव डॉ0 सुरेन्द्र कुमार ने बैठक की विषयवस्तु के बारे में सभी को बिन्दुवार अवगत कराया एवं पुराछात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव ने बैठक में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा पुराछात्र परिषद के संयुक्त सचिव डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति जी एवं बैठक में उपस्थित माननीय

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

बैठक की अध्यक्षता कर रही माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने परिषद के विकास एवं विस्तार के लिए सुझाव देते हुए परिषद को आनलाइन माध्यमों द्वारा प्रचारित करना, सघन सदस्यता अभियान द्वारा सदस्यता बढ़ाना तथा नियमित अन्तराल पर परिषद की बैठक का आयोजन सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने यह विश्वास जताया कि परिषद के उर्जावान सदस्यों के योगदान के परिणाम स्वरुप अवश्य ही परिषद विकास के पथ पर अग्रसर होगी।

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

बैठक में विश्वविद्यालय पुराछात्र परिषद के अध्यक्ष डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, परिषद की उपाध्यक्ष डॉ0 मीरा पाल, सचिव डॉ0 सुरेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, संयुक्त सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, सदस्य डॉ0 चन्द्रकान्त कुमार सिंह, डॉ0 नीता मिश्रा, सहायक सदस्य श्रीमती चांदनी सिंह, डॉ0 अवध नारायण, श्वेता पाण्डेय, प्रो0 पी.पी. दुबे, कुलसचिव एवं डॉ0 दिनेश सिंह, विशेष कार्याधिकारी मा0 कुलपति (विशेष आमंत्रित सदस्य) उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

28 फरवरी, 2022

Online Short-term Course in Teacher Education Programme

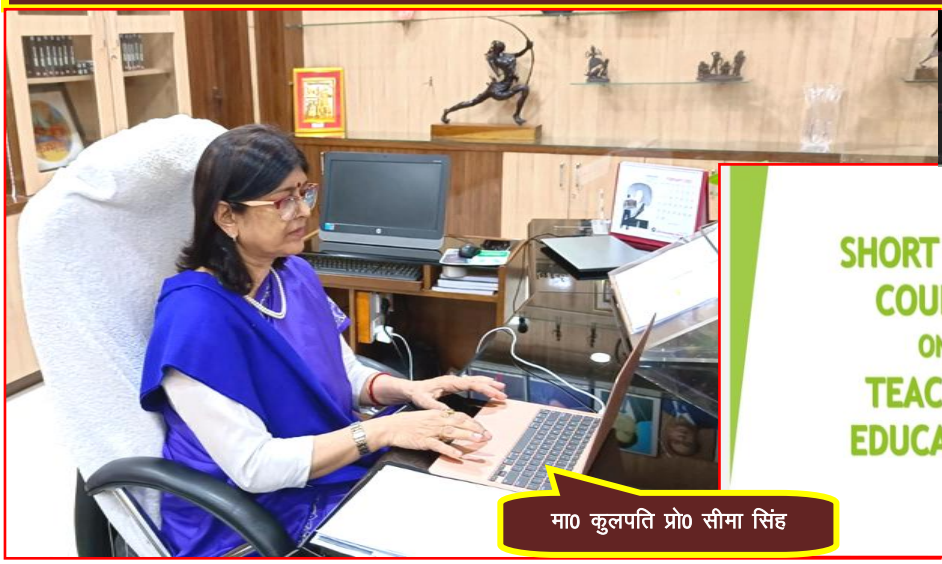

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

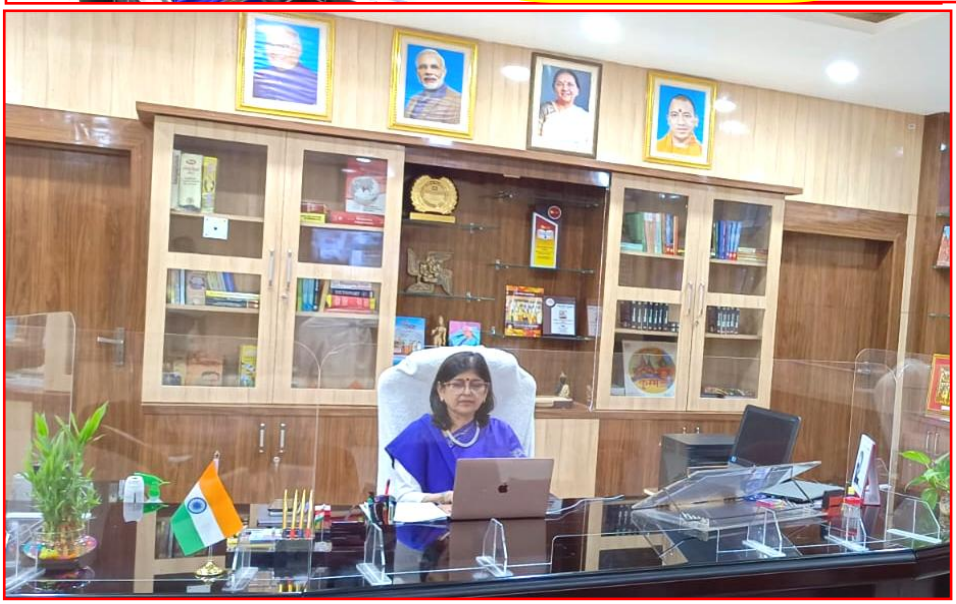

दिनांक 28 फरवरी, 2022 को UGC- Human Resource Development Centre and Department of Education दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा Online Short-term Course in Teacher Education Programme के समापन सत्र का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने मुख्य अतिथि के रुप में प्रतिभाग किया।